नईदुनिया

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में बदलाव होने के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,56,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी सांकेतिक कमजोरी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,54,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,56,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आया। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही जेएलआर, यूके में 4000 कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी

मुंबई। टाटा मोटर्स के मालिकाना हक वाली लग्जरी कार निर्माता कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) अगले दो सालों में यूनाइटेड किंगडम में बड़े पैमाने पर छंटनी करने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी का लक्ष्य लगभग 4000 कर्मचारियों को काम से निकालना है, जिसमें मुख्य रूप से मैनेजमेंट और वेतनभोगी स्टाफ शामिल होगा। यह कदम जेएलआर की परिचालन लागत को कम करने और वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच अपने बिजनेस माडल को अधिक लचीला बनाने की रणनीति का हिस्सा है। जेएलआर ने इस छंटनी के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति कार्यक्रम शुरू किया है। कंपनी का मकसद अगले दो वर्षों में लगभग 1.7 बिलियन यूरो (लगभग 21,700 करोड़ रुपये) की बचत करना है। इस पहल के तहत जेएलआर अपने मैनेजमेंट के आकार को छोटा कर परिचालन दक्षता बढ़ाना चाहती है। कंपनी का एक और अहम लक्ष्य अपने ब्रेक-ईवन पाइंट को घटाकर सालाना 3,00,000 वाहनों पर लाना है, ताकि कम वाहन बेचकर भी मुनाफा कमाया जा सके और बाजार की अस्थिरता का सामना किया जा सके। यह छंटनी फैक्ट्रियों में प्रति घंटे के आधार पर काम करने वाले मैन्युफैक्चरिंग/असेंबली लाइन कर्मचारियों को प्रभावित नहीं करेगी। कंपनी का पूरा ध्यान मैनेजमेंट को सुव्यवस्थित और लचीला बनाने पर है, जिससे सैलरी और आफिस मेंटेनेंस जैसी निश्चित लागतों में सालाना कमी आएगी। इससे वैश्विक मंदी या अमेरिकी टैरिफ जैसे बाहरी कारकों के कारण गाड़ियों की मांग कम होने पर भी जेएलआर अपनी लागत आसानी से वसूल सकेगी। जेएलआर के लिए अमेरिका सबसे बड़ा ग्लोबल मार्केट है, जहाँ उसकी 29 फीसदी हिस्सेदारी है।

आवक घटने और त्योहारी मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन के भाव में हुआ सुधार, बिनौला तेल टूटा, सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव बने रहे स्थिर

नई दिल्ली। बाजार में सोयाबीन की आवक घटने और त्योहारी मांग बढ़ने से बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के भाव में हल्का सुधार दर्ज किया गया। औद्योगिक मांग बढ़ने और अन्य खाद्य तेलों की तुलना में सस्ता होने के कारण कच्चे पाम तेल और पामोलीन की कीमतों में भी तेजी रही। दूसरी ओर आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली किए जाने से सोयाबीन तेल के भाव दबाव में रहे जबकि ऊंची कीमतों पर मांग कमजोर पड़ने से बिनौला तेल भी टूट गया। सुस्त कारोबार के बीच सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव स्थिर बने रहे। सूत्रों के मुताबिक सप्ताहांत में मंडियों में सोयाबीन की आवक घटकर 40-45 हजार बोरी रह गई, जबकि दैनिक मांग करीब 2.5 से 3 लाख बोरी है। आवक कम होने और त्योहारी मांग के कारण सोयाबीन तिलहन में मामूली मजबूती आई। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव 25-25 रुपए बढ़कर क्रमशः 6,700-6,750 रुपए और 6,550-6,650 रुपए प्रति क्विंटल हो गया। वहीं, आयातकों की लागत से नीचे बिक्री का असर सोयाबीन तेल पर पड़ा। सूत्रों के मुताबिक सोयाबीन डीगम के आयात की लागत करीब 125 रुपए प्रति किलो बैठती है, जबकि आयातक इसे करीब 118.50 रुपए प्रति किलो में बेच रहे हैं। इस वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपए घटकर 15,600 रुपए प्रति क्विंटल रह गया।

मारुति हर महीने 16,000 से ज्यादा बेचती है बलेनो, अब बनाई नई योजना, कंपनी ने इस सप्ताह करीब 6.1 लाख से शुरू होने वाली नई बलेनो करेगी लान्च

नई दिल्ली। मारुति सुजूकी इंडिया प्रीमियम हैचबैक की अहमियत बरकरार रहने पर दांव लगा रही है। हालांकि यात्री वाहन बाजार में स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) का दबदबा बढ़ रहा है। यह ऐसे समय हो रहा है, जब चालू वित्त वर्ष के पहले 5 महीने में प्रीमियम हैचबैक श्रेणी ने समूचे उद्योग की तुलना में तेज इजाफा दर्ज किया है। मारुति सुजूकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि फिलहाल प्रीमियम हैचबैक उद्योग का स्तर हर महीने करीब 50,000 वाहन होने का अनुमान है और इस श्रेणी में मारुति सुजूकी की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है।

एआई व टेक बूम से 2025 में अरबपतियों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची

अल्ट्राटा की रिपोर्ट: वैश्विक स्तर पर अरबपतियों की संख्या 3,795 और संपत्ति 15.1 ट्रिलियन डॉलर हुई

नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और टेक्नोलाजी क्षेत्र में आई अभूतपूर्व तेजी के दम पर वर्ष 2025 में दुनिया भर में अरबपतियों की संख्या रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है। वेल्थ इंटेलिजेंस फर्म अल्ट्राटा की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, अरबपतियों की संख्या 8.2 फीसदी बढ़कर 3,795 हो गई, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे बड़ी वार्षिक वृद्धि है। इस दौरान उनकी कुल संपत्ति भी 12.8 फीसदी बढ़कर 15.1 ट्रिलियन डालर तक पहुंच गई, जो वैश्विक अमीरों पर तकनीक और एआई के बढ़ते प्रभुत्व को दर्शाता है। अल्ट्राटा की रिपोर्ट बताती है कि 2025 में अरबपतियों की संख्या में इस वृद्धि का मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में आई तेजी और टेक्नोलाजी शेयरों में मजबूत प्रदर्शन रहा। एआई बूम ने अरबपतियों की संपत्ति बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रिपोर्ट के मुताबिक, जिन कंपनियों ने एआई में कम से कम 3 करोड़ डालर का निवेश किया, उनके बाजार पूंजीकरण में 2024 से 2025 के बीच उन कंपनियों की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक वृद्धि देखी गई जिन्होंने ऐसा निवेश नहीं किया था। यह रिपोर्ट अल्ट्रा-रिच लोगों के बीच संपत्ति के तेजी से बढ़ते केंद्रीकरण पर भी प्रकाश डालती है। अल्ट्राटा ने 50 अरब डालर से अधिक की संपत्ति वाले 29 व्यक्तियों को सुपर अरबपति के रूप में वर्गीकृत किया है, जिनकी कुल संपत्ति 4.1 ट्रिलियन डालर है। यह दुनियाभर के अरबपतियों की कुल संपत्ति का लगभग 27 प्रतिशत है, जबकि 2017 में यह आंकड़ा केवल 7.2 प्रतिशत था। हालांकि, रिपोर्ट ने चेतावनी दी कि टेक्नोलाजी और एआई सेक्टर में संपत्ति का यह बढ़ता केंद्रीकरण बाजार में उतार-चढ़ाव के जोखिम को बढ़ा सकता है।

भौगोलिक रूप से, उत्तरी अमेरिका 1,337 अरबपतियों के साथ सबसे आगे रहा, जिसमें 11.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसका श्रेय अमेरिका की निजी और सूचीबद्ध दोनों तरह के टेक्नोलाजी बाजारों में मजबूत स्थिति को जाता है।

भारतीय बाजार में होंडा की लान्च होंगी 5 नई एसयूवी

नई दिल्ली। भारतीय एसयूवी बाजार में होंडा ग्राहकों की बढ़ती मांग को भुनाने के लिए एक बड़ा दांव लगाने की तैयारी में है। होंडा ने आने वाले सालों में 5 नई एसयूवी माडल लान्च करने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। यह कदम होंडा की भारतीय आटोमोबाइल सेगमेंट में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, खासकर तेजी से लोकप्रिय हो रहे एसयूवी सेगमेंट में। इस लान्च सूची में सबसे पहले, होंडा की लोकप्रिय एसयूवी होंडा एलिवेट का फेसलिफ्ट वर्जन अक्टूबर 2026 में फेस्टिव सीजन के आसपास आने की उम्मीद है। इसमें नए बंपर, रीडिजाइन्ड स्किड प्लेट्स, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स और 360-डिग्री कैमरा जैसे अतिरिक्त फीचर्स मिल सकते हैं। इसके बाद, 2027 की शुरुआत में, होंडा की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी, होंडा 0 अल्फा का प्रोडक्शन वर्जन लान्च होगा। इसे एक बिल्कुल नए प्लेटफार्म पर तैयार किया जाएगा और इसमें 65 किलोवाट घंटा और 75 किलोवाट घंटा के एलएफपी बैटरी पैक के साथ लगभग 450-500 किमी की रियल-वर्ल्ड रेंज मिलने की उम्मीद है, जो इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में होंडा के प्रवेश का प्रतीक होगा। 2028 तक, होंडा हुंडई क्रेटा जैसी माडल्स को कड़ी टक्कर देने के लिए एक नई मिड-साइज एसयूवी भी लाएगी, जिसे पेट्रोल, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक तीनों पावरट्रेन विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, 2027 के अंत में सीआर-वी हाइब्रिड की वापसी भी संभव है, जिसे सीबीयू (कम्पलीटली बिल्ट यूनिट) के तौर पर सीमित संख्या में लाया जा सकता है, जो प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में अपनी पहचान बनाएगी। अंत में, होंडा 2028 में सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में भी वापसी करेगी।

लोकप्रिय थार के 3-डोर संस्करण को नए रूप में पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली

कार निर्माता स्वदेशी कंपनी महिंद्रा अपनी लोकप्रिय थार के 3-डोर संस्करण को एक व्यापक नए रूप में पेश करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में इसके परीक्षण माडल को सड़कों पर देखा गया, जिससे आगामी थार 3-डोर फेसलिफ्ट में होने वाले बड़े बाहरी डिजाइन और फीचर बदलावों का खुलासा हुआ है।

अक्टूबर 2025 में हुए छोटे अपडेट्स के विपरीत, यह नया संस्करण कहीं अधिक व्यापक बदलावों के साथ आएगा, हालाँकि कंपनी ने अभी इसकी निश्चित लान्च तारीख की घोषणा नहीं की है। मौजूदा थार की कीमत 10.32 लाख रुपये से 18 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच है, और नया संस्करण थोड़ी अधिक कीमत पर आ सकता है। परीक्षण के दौरान देखी गई थार 3-डोर फेसलिफ्ट के अगले हिस्से में सबसे बड़ा बदलाव इसकी ग्रिल में दिखाई दिया है। अलग-अलग परीक्षण माडलों में पांच-स्लाट और महिंद्रा थार राक्स जैसी छह-स्लाट ग्रिल देखी गई हैं, जो यह संकेत देती हैं कि महिंद्रा इसे विभिन्न संस्करणों में पेश कर सकती है, जहाँ प्रत्येक संस्करण में अलग डिजाइन की ग्रिल होगी। इस नई ग्रिल के दाहिने हिस्से में एक छोटा उभार भी देखा गया है, जिसे किसी विशिष्ट पहचान चिह्न के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। ग्रिल के अलावा, नए पांच-स्पोक मिश्रधातु पहिए भी देखे गए हैं, जो थार को अधिक आधुनिक लुक देंगे। इंजन में बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। इसमें 1.5 लीटर डीजल (लगभग 119 हार्सपावर), 2.2 लीटर डीजल (लगभग 132 हार्सपावर) और 2.0 लीटर टर्बो पेट्रोल (लगभग 152 हार्सपावर) इंजन विकल्प जारी रह सकते हैं। सभी इंजन छह-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स के साथ आएंगे, जबकि बड़े डीजल और पेट्रोल इंजन में छह-स्पीड आटोमैटिक गियरबाक्स का विकल्प भी होगा। चार-पहिया ड्राइव इन्हीं दोनों बड़े इंजनों के साथ जारी रहने की उम्मीद है, वहीं 1.5 लीटर डीजल केवल दो-पहिया चालित व्यवस्था में उपलब्ध होगा। एक महत्वपूर्ण बदलाव मौजूदा हाइड्रोलिक पावर स्टीयरिंग की जगह इलेक्ट्रिक पावर स्टीयरिंग का शामिल होना हो सकता है, जिससे ड्राइविंग और कम गति पर गाड़ी मोड़ना आसान हो जाएगा।

घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं आया है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल के दाम पुराने स्तर पर ही स्थिर बने हुए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को फिलहाल थोड़ी राहत मिली है। तेल कंपनियों ने आज भी कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। गौरतलब है कि तेल की कीमतें कई वैश्विक और घरेलू कारकों पर निर्भर करती है। इनमें सबसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड आयल) की कीमतें हैं। जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, तो तेल कंपनियों की खरीद लागत बढ़ जाती है, जिसका सीधा असर भारत में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर पड़ता है। इसी तरह, भारतीय रुपया और अमेरिकी डालर के बीच की विनिमय दर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि रुपया डालर के मुकाबले कमजोर होता है, तो कच्चे तेल का आयात महंगा हो जाता है, भले ही डालर में उसकी कीमत स्थिर रहे। इसके अलावा, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए विभिन्न टैक्स (जैसे उत्पाद शुल्क और वैट), डीलर कमीशन और अन्य परिचालन लागतें भी अंतिम उपभोक्ता मूल्य का एक बड़ा हिस्सा होती हैं।

कच्चे तेल की कीमत में तेजी जारी, 97 डालर के पार पहुंची ब्रेंट क्रूड की कीमत

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में भी लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। इस तेजी के कारण ब्रेंट क्रूड 97 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 92 डालर प्रति बैरल के स्तर के ऊपर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

ब्रेंट क्रूड ने तेजी दिखाते हुए 96.90 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। हालांकि ट्रेडिंग शुरू होते ही ये फिसल कर 96.34 डालर प्रति बैरल के स्तर तक आया, लेकिन थोड़ी देर बाद इसकी चाल में तेजी गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 9:30 बजे तक ब्रेंट क्रूड 97 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 97.43 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। सुबह 9:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेंट क्रूड 1.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 97.38 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड ने 0.71 डालर प्रति बैरल उछल कर 92.19 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ओपनिंग के तुरंत बाद ये गिर कर थोड़ी देर के लिए 91.70 डालर प्रति बैरल के स्तर तक आया, लेकिन इसके बाद इसकी चाल में तेजी आ गई। कुछ देर में ही यह उछल कर 92.57 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के अनुसार सुबह 9:45 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.11 प्रतिशत की उछाल के साथ 92.50 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी भारत जैसे आयल इंपोर्टर देश के लिए अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर परेशानी का बड़ी वजह बन सकती है। कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत के लंबे समय तक 80 डालर या उससे ऊपर के स्तर पर बने रहने से भारत के करंट अकाउंट डेफिसिट में बढ़ोतरी हो सकती है। इसके साथ ही इसकी वजह से फिस्कल डेफिसिट टारगेट भी हिट हो सकता है।

उनका कहना है कि कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत भारतीय मुद्रा को कमजोर कर सकती है, महंगाई को बढ़ा सकती है और फारेन कैपिटल आउटफ्लो (विदेशी पूंजी की निकासी) को और बढ़ा सकती है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी फिलहाल लाल निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका में ब्याज दर में बढ़ोतरी होने की आशंका की वजह से पिछले सत्र के दौरान निगेटिव सेंटीमेंट्स का दबाव बना रहा, जिसके कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक कमजोरी के साथ बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 272.51 अंक यानी 0.51 प्रतिशत लुढ़क कर 53,413.60 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.38 प्रतिशत टूट कर 7,718.60 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,506.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 193.53 अंक यानी 0.36 प्रतिशत फिसल कर 53,220.72 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। सीएसी इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,278.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत उछल कर 26,046.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं लंदन स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से पिछले सत्र के दौरान एफटीएसई इंडेक्स में कोई हलचल नहीं हुई।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में

बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 115.50 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,894.50 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.24 प्रतिशत फिसल कर 3,920.70 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 269.87 अंक यानी 1.05 प्रतिशत लुढ़क कर 25,381 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.10 प्रतिशत टूट कर 5,796.21 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 1,254.06 अंक यानी 1.93 प्रतिशत की मजबूती के साथ 66,275 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 681.66 अंक यानी 1.46 प्रतिशत उछल कर 47,232.79 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 225.97 अंक यानी 3.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,913.18 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।